150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

जागृति

वर्ष:63 अंक:10 मुम्बई सितम्बर 2019

बंजुल में माननीय राष्ट्रपति को एक स्थानीय गांधीवादी द्वारा शॉल भेंट की गयी

सीआईआई के तत्वावधान में आयोजित
वैश्वीकरण ब्रांड खादी
- भारत की शान

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष:63 अंक:10 मुम्बई सितम्बर 2019

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवादक
सरस्वती खनका

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056
के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: editorialkvic@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार ..... 3 से 23

महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगांठ मनाने के लिए भारत के माननीय श्री राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बंजुल में महात्मा गांधी और खादी पर.....

एमएसएमई मंत्री का टेक्सटाइल स्टेकहोल्डरों से खादी को बढ़ावा देने का आग्रह.....

लक्मे फैशन वीक विंटर/फेस्टिव 2019 में तीन शीर्ष डिजाइनरों द्वारा खादी की असाधारण संग्रह प्रस्तुत.....

न्यूज़एक्स- द संडे गार्जियन ने फैशन कॉन्क्लेव आयोजित कर उत्कृष्ट भारतीय वस्त्र का जश्न मनाया.....

आयोग के अध्यक्ष द्वारा सिरोही जिले में शहद व चर्म टूल किटों का.....

अध्यक्ष ने कुतुबगढ़ के ग्राम प्रधान को बम्बोसा तुल्दा एक विशेष प्रजाति के बांस के पौधे उपहार में दिये.....

आयोग ने देशभक्ति के साथ 73वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया.....

100 का लक्ष्यांक प्राप्त करने के लिए एनएमसी चरखों का वितरण.....

कुम्हार सशक्तिकरण मिशन.....

अगरतला में पीएमईजीपी जागरूकता कार्यक्रम.....

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 142 वीं बैठक.....

झारखंड में पीएमईजीपी पर जागरूकता शिविर.....

पीएमईजीपी लाभार्थियों हेतु उद्यमिता विकास कार्यक्रम.....

राज्य कार्यालय, भोपाल ने होटल पलाश, भोपाल में 07.08.2019 को खादी मार्क कार्यशाला का आयोजन किया.....

'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए आयोग द्वारा चीन और वियतनाम से आयात की जाने वाली बांस की राउंड स्टिक और अगरबत्ती के.....

आयोग का 'हनी मिशन' कार्यक्रम.....

प्रेस कवरेज .....24 से 29

बंजुल में माननीय राष्ट्रपति द्वारा महात्मा गांधी और खादी पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन

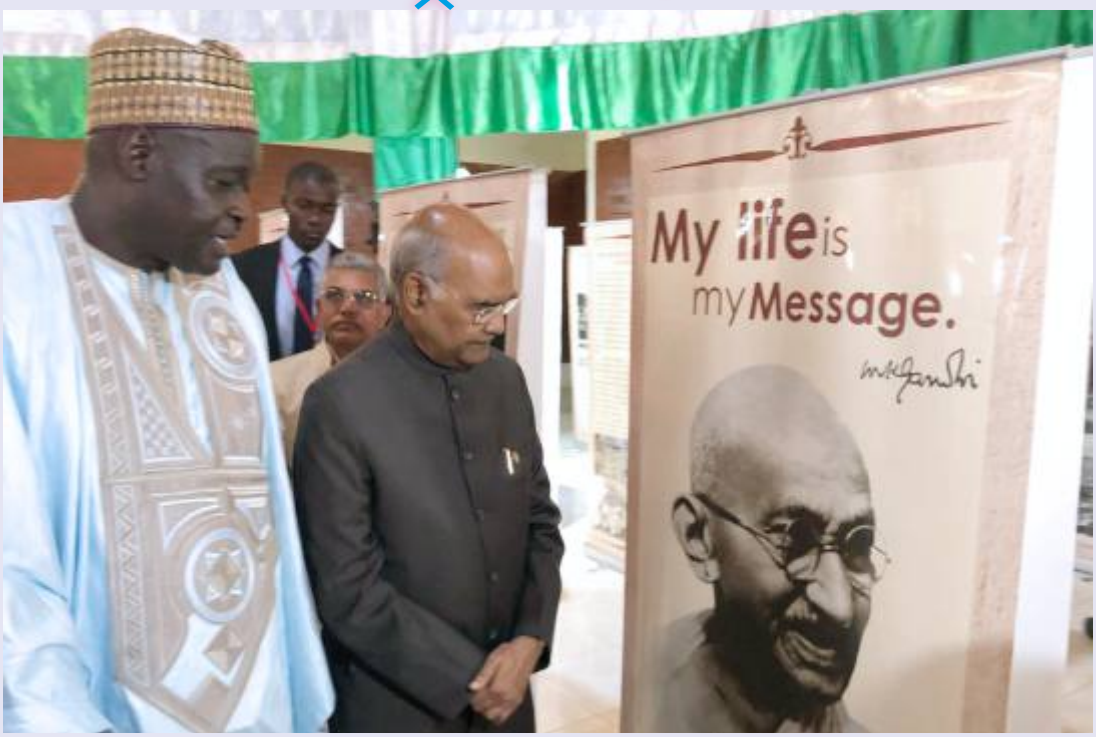

महात्मा गांधी की 150वीं वर्षगांठ मनाने के लिए भारत के माननीय श्री राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बंजुल में 1 अगस्त, 2019 को महात्मा गांधी और खादी पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। माननीय राष्ट्रपति को स्थानीय गांधीवादी श्री अब्दुलेई एम. टौरे द्वारा स्थानीय खादी 'कुंटा किन्टे' से बना एक शॉल भेंट किया गया।

एमएसएमई मंत्री का टेक्सटाइल स्टेकहोल्डरों से खादी को बढ़ावा देने का आग्रह

मुंबई: केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने 27 सितंबर, 2019 को मुबंई में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय एवं खादी और ग्रामोद्योग आयोग, देश के विकास में 29 प्रतिशत और कुल निर्यात में 40 प्रतिशत का योगदान कर रहा है और इसके साथ ही 11 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहा है।

मुंबई में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के तत्वावधान में आयोजित एक व्यापार शिखर सम्मेलन 'ग्लोबलाइजिंग ब्रांड खादी – भारत का गौरव' के दौरान आयोजित "खादी के विकास के लिए रोडमैप" पर संबोधित करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि सरकार ने अतिरिक्त 5 करोड़ नई नौकरियां प्रदान करने और इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु नीतियां बनाने के लिए एक मिशन को रेखांकित किया है। सम्मेलन में उपस्थित खादी क्षेत्र से जुड़े प्रमुख स्टेकहोल्डरों से अपील करते हुए उन्होंने कहा, "समय आ गया है कि खादी को एक ब्रांड के रूप में बढ़ावा दिया जाए, इसकी गुणवत्ता में सुधार करने के लिए इसके उत्पादन में प्रौद्योगिकी और अभिनव कार्यप्रणाली की शुरुआत की जाए। खादी में अपनी अनूठी उत्पाद विशेषताओं और स्थिरता के साथ अंतर्राष्ट्रीय बाजारों पर कब्जा करने

की क्षमता है। भारतीय कारीगरों की उन्नति के लिए इसका दोहन और पूंजीकृत करने की आवश्यकता है।"

खादी उत्पादों के प्रति स्वाभाविकता पर बल देते हुए उन्होंने यह भी कहा कि मिट्टी के बर्तन, बांस, जैव ईंधन और अदिवासी क्षेत्र जैसे ग्रामीण उद्योग भी खादी और ग्रामोद्योग आयोग से केंद्रित पहल की मांग कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, "हमारी सरकार खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए मजबूत नीतियों और ढांचे का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है।"

इसी तरह के विचारों पर जोर देते हुए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय,भारत सरकार के राज्य मंत्री श्री प्रताप चन्द्र सारंगी ने खादी उत्पादन में वृद्धि के तरीकों के बारे में बात की, जिससे आने वाले पांच वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये का कारोबार करने का लक्ष्य पूरा हो सके । उन्होंने जोर देकर कहा, यदि 130 करोड़ लोग खादी पहनना शुरू करते हैं, तो इससे 150 मिलियन लोगों को रोजगार मिलेगा।"

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के सचिव डॉ. अरुण कुमार पांडा ने अपने संबोधन में कहा कि यह समिट क्षेत्र से जुड़े सभी स्टेकहोल्डरों के लिए एक बेहतर मंच है जो जमीनी स्तर पर काम कर रहे कारीगरों के जीवन को प्रभावित कर उनके लिए उचित समाधान दे सकता है। उन्होंने आगे कहा, "यह समिट चुनौतियों और कठिनाइयों को दूर करने और क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ने के लिए एक विचार मंच है।" उन्होंने कहा, "खादी के उत्पाद

प्रीमियम होने के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में इसके विकास की बड़ी संभावनाएं हैं। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग निश्चित रूप से खादी ब्रांड को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा।"

इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने संबोधित करते हुए कहा कि खादी का कुल कारोबार भी चार वर्षों में 889 करोड़ रुपये से बढ़कर 3215 करोड़ रुपये हो गया है। "अब 'फैब्रिक ऑफ फ्यूचर' के रूप में उभरकर खादी एक स्टाइलिश रिवायत बन गयी है, उन्होंने, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा खादी के उपयोग के लिए किये गये आह्वान के लिए, धन्यवाद देते हुए कहा कि अब खादी को प्रसिद्ध डिजाइनरों द्वारा लोकप्रिय रूप से अपनाया जा रहा है। अपने अद्वितीय पर्यावरण अनुकूल प्रकृति के और परिपूर्ण अपने वस्त्र विशेष गुणों के कारण, भारत के इस बहुमुखी फैशन फैब्रिक का उपयोग अब भारत को आर्थिक परिवर्तन की ओर नेविगेट करने के लिए एक उपकरण के रूप में किया जा रहा है। खादी में नवाचार अब बड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अपील आकर्षित कर रहे हैं।" उन्होंने, खादी और ग्रामोद्योग की बढ़ती स्वीकार्यता पर अपनी खुशी व्यक्त की।

अंत में सम्मेलन का समापन सीआईआई के अध्यक्ष श्री नंदकुमार के धन्यवाद ज्ञापन प्रस्ताव के साथ किया गया। ❑❑

लक्मे फैशन वीक विंटर/ फेस्टिव 2019 में तीन शीर्ष डिजाइनरों द्वारा खादी का असाधारण संग्रह प्रस्तुत

लक्मे फैशन वीक-विंटर / फेस्टिव 2019 में भारत के फैब्रिक ऑफ फ्रीडम-खादी की सुंदरता और गौरव को एक मंच केन्द्रित कर खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा भव्य फैशन दिवस पर तीन शानदार डिजाइनरों के बनाए गए संग्रह के साथ महात्मा गांधी की 150 वीं वर्षगांठ मनायी गयी।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने दोहराया कि "खादी द फैब्रिक ऑफ़ द फ्यूचर है। (खादी, वस्त्र का भविष्य है) अपने अद्वितीय पर्यावरण अनुकूल प्रकृति के और परिपूर्ण अपने विशेष गुणों के कारण, खादी एक फैशनेबल वस्त्र बन गया है जिसे अब डिजाइनरों द्वारा लोकप्रिय बनाया गया है। यह एक बहुमुखी फैशन वस्त्र है, खादी का उपयोग एक उपकरण के रूप में किया गया है यह भारत को स्वतंत्रता दिलाने में मार्गदर्शक के रूप में सामने आयी है। आज भी विगत 72 वर्षों में यह वस्त्र सभी अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के पार रचनात्मक मस्तिष्कों को प्रेरित और विस्मित कर रही है। "फैब्रिक

टिप्पणी करते हुए, जसप्रीत चंडक, उपाध्यक्ष और फैशन के प्रमुख - आईएमजी रिलायंस ने कहा, कि "वे, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के साथ पुनः पार्टनर बने हैं चूंकि हम महात्मा गांधी की जयंती के 150वीं वर्षगांठ पूरे होने का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए हैं। हमें केवीआईसी को प्रस्तुत करने पर गर्व है, वे, डिजाइनर खानीजो, अनुज भूटानी और पल्लवी ध्यानी के साथ मिलकर अपने अनूठे डिजाइन प्रदर्शित करेंगे तथा वे

ऑफ़ इंडिया" के नाम से जानी जाने वाली खादी अपने आप में एक संस्कृति साबित हुई है, जो सही मायने में हमारे देश की उपलब्धियों का गौरव है। खादी में नवीनीकरण अब विशाल रूप में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपील आकर्षित कर रही हैं। युवा और प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर खादी में नवीनीकरण कर रहे हैं और खादी को एक नया मोड़ दे रहे हैं। रंग पैलेट का विस्तार करना, पोशाकों का पश्चिमीकरण करना और अपने आप में नए रुझानों का निर्माण करना, खादी वस्त्र ने भविष्य के एक स्थायी वस्त्र के रूप में स्वयं को स्थापित कर लिया है।"

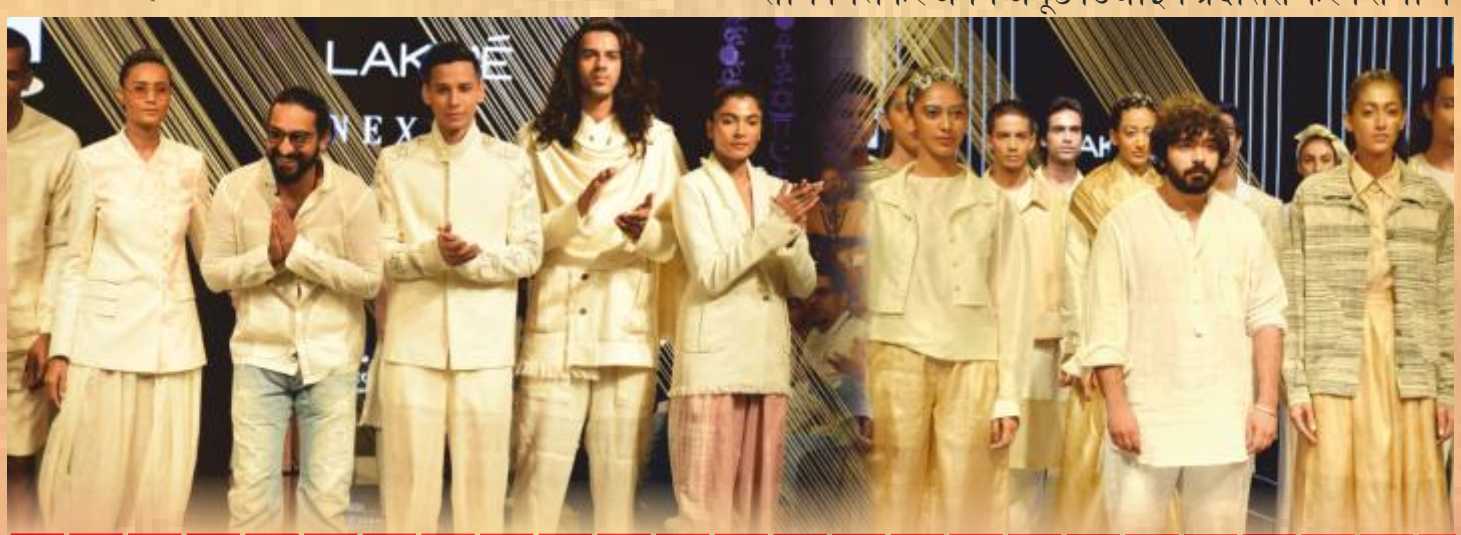

टिकाऊ जीवन शैली की बातचीत को बड़ी संख्या में दर्शकों तक ले जाने के लिए तैयार हैं।"

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने प्रदर्शनी में तीन डिजाइनरों के संग्रह का अनावरण किया, जिन्होंने खादी को अपना एक अलग डिजाइन और नया अंदाज़ दिया है और यह सुनिश्चित किया कि अब फैब्रिक ऑफ इंडिया फैशनेबल युगीन रचनात्मकता के साथ नए युग में अवतरित हुआ है।

अनुज भूटानी ने खादी को विशिष्ट तरीके से प्रदर्शित किया :-

जब फैशन की बात आती है तो अनुज भूटानी व्यवसाय में सबसे न्यूनतर डिजाइनरों में से एक हैं। वस्त्र और स्थिरता में अनुज ने अपने संग्रह में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। चांदनी चौक की वास्तुकला, रंगों और लोगों से प्रेरित खादी कलाकृतियों में एक विशेष टच था। इसमें आरामदायक वस्त्र जैसे-सलवार, कमीज, दुपट्टा, स्वस्तिक कुर्ता, धोती, साड़ी, स्कार्फ और पगड़ी शामिल थे। प्रदर्शित हाथ से कढ़ाई किए गए वस्त्रों ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है| चूंकि वस्त्रों में नाजुक डिजाइन (पैटर्न) किए गए थे। जो बहुत ही आकर्षक थे।

सिल्हूट पारंपरिक संरचना और स्तरित स्टाइल का एक शानदार संयोजन था, जिसके परिणामस्वरूप खादी की एक अधिक समकालीन पेशकश की गई।

"क्लासिक अनुज भूटानी" प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए, प्रदर्शनी में संग्रहित वस्त्र सभी के लिए थे, जो बहुत ही आकर्षित कर रहे थे।

अनुज भूटानी द्वारा आने वाले सीज़न के लिए भारत के वस्त्रों की पेशकश के साथ खादी के प्रेमी रोमांचित थे, जिसमें सभी फैशनयुक्त निर्देशन हैं जिन्हें पुरुषों और महिलाओं द्वारा सराहा जाएगा।

गौरव खनिजो का लेबल 'खनिजो' खादी को एक भावनात्मक फैशन संदेश देता है

गौरव खनीजो के 'खनीजो' लेबल के माध्यम से प्रत्येक ऋतुओं में उपयोग में लाये जाने वाले पुरुषों के लिए कुछ साहसिक और स्टाइलिश विकल्प दिए गए हैं। जनरल नेक्स्ट विंटर / फेस्टिव 2016 बैच के बहुत ही रचनात्मक डिजाइनरों में से एक, गौरव की रचनात्मकता उस स्टाइलिश ट्रेंड के अनुरूप है, जो सदियों से चली आ रही है।

इस सीजन में अपने संग्रह के लिए खादी के साथ काम करते हुए, खनिजो लेबल वर्तमान में इतिहास के एक मेलंगा में लाया गया और फिर भविष्य के रुझानों को देखा गया। स्टाइलिश मॉडलों ने जो वस्त्र पहने थे उन में खानिजो के वस्त्र अधिक थे। जब फैशनेबल पुरुष खादी में एक फैशन स्टेटमेंट बनाना चाहते हैं, गौरव खानीजो के 'खानीजो' लेबल में सभी अपेक्षित पोशाक उपलब्ध हैं।

पल्लवी ध्यानी द्वारा खादी के लिए कालातीत नवीनतम फैशन निदेश दिये गए :

पल्लवी ध्यानी के 'श्री' लेबल ने एक स्तर तक काम किया, जो पुरुषों और महिलाओं के वार्डरोब में अतिरिक्त एक कालातीत जोड़ होगा। उनके कोमल स्तर के संग्रह को "वेव लेंथ" के नाम से जाना जाता है जो यह सुनिश्चित करता है कि पहनावा खरीदारों के व्यक्तित्व की प्रशंसा करेगा।

पल्लवी की माने तो वे अपनी डिजाइन संवेदनाओं के प्रति सच्चे रहते हुए, सिल्हूट एक न्यूनतम टच के साथ समकालीन हैं तथा इनकी उपयोगिता अधिक हैं। वस्त्र ऐसे हैं जो रोजमर्रा के जीवन में काम में लाये जा सकते हैं। प्रथमत: पुरुषों के लिए वस्त्र लॉन्च करते हुए, सभी ट्रेडमार्क में लेबल लगाए गए हैं इसे ध्यान रखा जाता है। अपने लेबल 'श्री' के लिए पल्लवी ध्यानी द्वारा परिकल्पित की गई खादी का नवीनतम लुक "वेव लेंथ" संग्रह से कृतियों का चयन करने पर फैशनेबलों के वार्डरोब के लिए एक स्टाइलिश पूरक होगा।

न्यूज़एक्स- द संडे गार्जियन ने फैशन कॉन्क्लेव आयोजित कर उत्कृष्ट भारतीय वस्त्र का जश्न मनाया

न्यूज़ एक्स- द संडे गार्जियन ने फैशन कॉन्क्लेव आयोजित कर भारतीय वस्त्र का जश्न मनाया, जहां भारतीय वस्त्र, फैशन, कला और संस्कृति पर चर्चा करने हेतु नीति निर्माता और स्टेक होल्डर एक साथ मंच पर एकत्रित हुए।

7 अगस्त,2019: फैशन प्रबुद्ध विचारकों, नीति निर्धारकों, फैशन आइकॉन और उभरती प्रतिभाओं के बीच संवाद को आगे बढ़ाने के प्रयास में और उन्हें एक मंच पर लाने के लिए, न्यूज़एक्स, आईटीवी नेटवर्क भारत के प्रमुख अंग्रेजी समाचार चैनल, और द संडे गार्जियन, इंडिया का सबसे शानदार संडे न्यूजपेपर द्वारा होटल ताज पैलेस में पहली बार फैशन कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया।

सुश्री रीना ढाका, सुश्री रितु बेरी, श्री शांतनु मेहरा, श्री रोहित बल, श्री गौरव गुप्ता और सुश्री अर्चना कोचर सहित भारत के शीर्ष फैशन डिजाइनर इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

फैशन आइकॉन ने भारतीय वस्त्र और राज्यों में विविध फैशन संस्कृति के बारे में चर्चा की, जहां उन्होंने विभिन्न अवसरों के बारे में भी चर्चा की कि कैसे वैश्विक फैशन और लक्जरी ब्रांड बड़ी संख्या में भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहे हैं और क्षमतावान सहस्राब्दी भारतीय ग्राहकों को टैप कर रहे हैं।

गांधी, खादी और फैशन पर आयोजित एक दिलचस्प सत्र में, प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर सुश्री रितु बेरी और खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने भारतीय फैशन संस्कृति में खादी के महत्व के बारे में चर्चा की, जबकि श्री सक्सेना ने चर्चा के दौरान बताया कि "प्रधान मंत्री मोदी खादी के असली

ब्रांड एंबेसडर हैं, वे महात्मा गांधी के बाद दूसरे व्यक्ति हैं, जिन्होंने दुनिया भर में खादी को बढ़ावा दिया।" जबकि सुश्री रितु बेरी ने कहा, "हर भारतीय को खादी पहननी चाहिए, मेरा काम खादी को इस तरह से डिजाइन करना है जो इसे एक फैशनेबल बनाता है। इसे युवाओं के मध्य प्रचलित करना है।"

फैशन डिजाइनर श्री रोहित बल और जम्मू-कश्मीर खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड की उपाध्यक्ष सुश्री हिना भट्ट, के साथ फैशन पर एक दिलचस्प सत्र हुआ। सत्र के दौरान, सुश्री हिना भट्ट ने खादी वस्त्र के महत्व के बारे में बात की, उन्होंने कहा "खादी मायने, स्वतंत्रता।" यह सिर्फ नेताओं द्वारा पहना जाने वाला सफेद वस्त्र ही नहीं बल्कि यह उससे कहीं अधिक है। हमारे फैशन डिजाइनरों द्वारा खादी को एक नई ऊंचाई पर ले जाना चाहिए। जबकि श्री रोहित बल ने कहा "खादी, भारतीय स्वतंत्रता का वस्त्र है। यह एक भावना है। दुर्भाग्य से इसका पर्याप्त मात्रा में विपणन नहीं किया गया है।"

श्री सतीश महाना, माननीय उद्योग मंत्री, उत्तर प्रदेश के साथ एक विशेष चर्चा हुई, उन्होंने खादी की मांग के बारे में बात की और उन्होंने कहा "खादी की मांग बढ़ रही है। हम लखनऊ और पश्चिमी यूपी में खादी स्टोर खोलने की योजना बना रहे हैं।"

कॉन्क्लेव में फैशन आइकॉन, नीति निर्धारक, उद्यमी, कॉरपोरेट्स और विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिन्होंने चुनौतियों और अवसरों को स्वीकार किया एवं ऐसे प्रयासों की सराहना की, जो फैशन उद्योग और इसके लाखों उपभोक्ताओं को प्रभावित करता है।

आयोग के अध्यक्ष द्वारा सिरोही जिले में शहद व चर्म टूल किटों का वितरण

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने ग्राम पंचायत चंदेला, सिरोही जिले में आदिवासी बहुल क्षेत्र के उपकरण किटों का वितरण किया, जिसे 9 अगस्त, 2019 को हनी मिशन और चमड़ा सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा अकांशा जिला घोषित किया गया है।

इस अवसर पर अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि चमड़ा उद्योग के तहत, यह कार्यक्रम पहली बार चंदेला जिले में शुरू किया गया है।

इस अवसर पर आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मुंबई और राज्य निदेशक, जयपुर श्री बद्रीलाल मीणा भी उपस्थित थे।

अध्यक्ष ने कुतुबगढ़ के ग्राम प्रधान को बम्बोसा तुल्दा एक विशेष प्रजाति के बांस के पौधे उपहार में दिये

आयोग के अध्यक्ष ने 12 अगस्त, 2019 को दिल्ली के कुतुबगढ़ के ग्राम प्रधान को बम्बोसा तुल्दा एक विशेष प्रजाति के बांस के पौधे, जो अगरबत्ती बनाने के कार्य में आते हैं, उपहार में दिये।

आयोग ने 2019 तक पूरे देश में बांस की इस प्रजाति के कम से कम 10,000 पौधे लगाने का फैसला किया है।

आयोग ने देशभक्ति के साथ 73वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया

15 अगस्त 2019 को खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 73 वें स्वतंत्रता दिवस को देशभक्ति के साथ मनाया। आयोग की वित्तीय सलाहकार सुश्री उषा सुरेश ने मुख्यालय में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने ध्वजारोहण समारोह में भाग लिया। राष्ट्रगान गान के बीच तिरंगा फहराया गया।

सुश्री उषा सुरेश ने 73 वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनायें देते हुए कहा कि यह दिन केवीआईसी और भारत के लोगों के लिए बहुत महत्व का दिन है। उन्होंने सभी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने भारत की आजादी के लिए बहुत संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि 'खादी' पारंपरिक रूप से स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी रही है और आज केवीआईसी कारीगरों के खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों को बढ़ावा देकर ग्रामीण कारीगरों और युवाओं को रोज़गार का एक स्थायी स्रोत प्रदान करने में सबसे आगे है। इस अवसर पर उन्होने देश के महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल राज्यों और अन्य भीषण बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को आयोग की ओर से हर संभव सहयोग देने की बात कही।

इस अवसर पर आयोग के सं. मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाई.के. बारामतीकर ने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग देश के लाखों कारीगरों, उद्यमियों और बेरोजगार युवाओं को पारिश्रमिक मजदूरी के साथ रोजगार सृजन के लिए एक प्रमुख संगठन है।

100 का लक्ष्यांक प्राप्त करने के लिए एनएमसी चरखों का वितरण

शाहपुरा, भीलवाड़ा में

जमशेदपुर में

श्री सरयू राय, माननीय खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री, झारखंड सरकार ने 14 अगस्त 2019 को 25 आधुनिक 8 स्पिंडल चरखे को उद्घाटन किया, जो केवीआईसी की सहयोग योजना के तहत खादी ग्रामोद्योग संस्थान, जमशेदपुर को दिये गये हैं।

ये सभी चरखे महिला कॉलेज,जमशेदपुर के परिसर में स्थापित किए गए हैं।

कुम्हार सशक्तिकरण मिशन

सामाजिक न्याय का पहिया अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचता है, तो उनके चेहरे जुबानी बयां करते हैं! कुम्हार सशक्तिकरण मिशन के तहत जब आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 19 अगस्त 2019 को बुंदेलखंड के जालौन जिले के अति पिछड़े गांव - कोंच के कुम्हारों के बीच 40 विद्युत चालित कुम्हारी चाक वितरित किये।

पीएमईजीपी बैठक

अगरतला में पीएमईजीपी जागरूकता कार्यक्रम

आयोग के राज्य कार्यालय, अगरतला द्वारा 24.08.19 को बिश्रामगंज, जिला सिफाहीजला में पीएमईजीपी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 142 वीं बैठक

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 142 वीं बैठक 26-08-2019 को होटल मैरिट, जयपुर में संपन्न हुई।पीएमईजीपी कार्यक्रम में लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धि की बैठक में समीक्षा की गई, साथ ही बैंक को 26-55 करोड़ के पीएमईजीपी पोर्टल पर दावे जारी करने के निर्देश दिए गए।

झारखंड में पीएमईजीपी पर जागरुकता शिविर

झारखंड में दिनांक 30.08.2019 को उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय के सम्मेलन हॉल में पीएमईजीपी पर एक दिवसीय जागरूकता शिविर आयोजित किया गया था।

पीएमईजीपी लाभार्थियों हेतु उद्यमिता विकास कार्यक्रम

भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान एसबीआई-आरएसईटीआई) द्वारा पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखंड) में 16.8.2019 से 25.8.2019 तक "पीएमईजीपी लाभार्थियों हेतु उद्यमिता विकास कार्यक्रम" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया

आयोग के राज्य कार्यालय, अगरतला ने एसओएफईडी, अगरतला, एक ईडीपी प्रशिक्षण संस्थान, त्रिपुरा सरकार के सहयोग से 13.08.19 को जिरानिया, पश्चिम त्रिपुरा, जिले में पीएमईजीपी जागरूकता शिविर का आयोजन किया

राज्य कार्यालय, भोपाल ने होटल पलाश, भोपाल में 07.08.2019 को खादी मार्क कार्यशाला का आयोजन किया।

'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए आयोग द्वारा चीन और वियतनाम से आयात की जाने वाली बांस की राउंड स्टिक और अगरबत्ती के कच्चे माल पर अंकुश लगाने की पहल

नई दिल्ली: खादी और ग्रामोद्योग आयोग (खाग्राआ) पुनः प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आवाहन और मेक इन इंडिया के विजन के एक मशाल के रूप में प्रकट हुआ है, ऐसा लगता है । यह आज दिल्ली में वृक्षारोपण अभियान के रूप में देखा गया है जिसमें बाँस के विशेष किस्म के पौधे जिनका वानस्पतिक नाम "बांबुस तुलदा" को शामिल किया गया है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने चीन और वियतनाम से कच्चे बांस के स्टिक और कच्ची अगरबत्ती आयात करने में भारत के निर्माताओं द्वारा खर्च किए जा रहे समय और धन की बर्बादी की जाँच करने के लिए एक विशिष्ट और नया तरीका अपनाया है। नई दिल्ली के सांसद मिनाक्षी लेखी और खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने आज एनडीएमसी में “बाम्बूस तुल्दा” नामक बांस के १०० पौंधो का वृक्षारोपण किया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष सक्सेना ने कहा कि देश में नई अगरबत्ती निर्माण इकाइयों की

स्थापना और भारत में अगरबत्ती उद्योग की बहुआयामी समस्याओं के कारण गिरावट पर संज्ञान लेते हुए, आयोग ने एक आंतरिक शोध किया और पाया कि यदि स्थानीय किसान अपने जमीन पर उच्च गुणवत्ता वाले बांसों का उत्पादन शुरू कर देते हैं तो चीन और वियतनाम कच्चे पर अगरबत्ती के स्टिक के आयात की सम्पूर्ण निर्भरता समाप्त हो जाएगी।

यह कहते हुए कि बांस क्षेत्र में रोजगार की वृहद संभावनाएं होने के बावजूद अगरबत्ती परियोजनाओं की संख्या में कमी आई है और इससे रोजगार में भारी

नुकसान हो रहा है, श्री सक्सेना ने आगे कहा कि चूंकि मुख्य रूप से इंडो- एशियन एफटीए के कारण वियतनाम से कच्चे अगरबत्ती पर आयात शुल्क 2009 में 30% से घटाकर 2018 में 5% कर दिया गया था, जिससे भारत में कच्ची अगरबत्ती का आयात 2009 में 31 करोड़ रुपये से बढ़कर 2018 में 546 करोड़ रुपये हो गया था।

"यह वास्तव में दुखद है कि वर्तमान में बाँस उद्योग की सम्पूर्ण मांग का बाँस की घरेलू आपूर्ति 10 प्रतिशत से अधिक नहीं है। प्रत्येक वर्ष अगरबत्ती उद्योग लगभग 250 करोड़ रुपये के बांस के स्टिक का आयात कर रहा है। लेकिन भारतीय किसानों को उच्च-गुणवत्ता वाले बांस यानी 'बाम्बूसा तुलदा' की क्षमता के बारे में जागरूक किया जा सकता है - जिसकी अंतर-नोडल लंबाई 22-इंच (अगरबत्ती बनाने के लिए न्यूनतम अंतर-नोडल लंबाई कम से कम 12 इंच) होनी चाहिए, उन्होंने आगे बताया कि अगरबत्ती बनाने के उद्योग के लिए अनुकूल इस बांस की फसल उगाकर वे अपनी आय में काफी वृद्धि कर सकते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "हमारे शोध से यह संकेत प्राप्त हुआ कि बांस की फसल उगाने से, इससे प्रत्येक वर्ष 516.33 मिलियन मानव-दिन कार्य का सृजन हो सकता है अर्थात अधिक से रोजगार का सृजन होगा।

श्री सक्सेना आगे बताया कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उधम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने भी इन उत्पादों के भारी आयात के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की। इतना ही नहीं, चीन और वियतनाम पर बांस के स्टिक और कच्चे अगरबत्ती के आयात पर भारी मात्रा में निर्भरता के कारण, रोजगार में काफी नुकसान हुआ है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने आगे कहा कि इस आयात में वृद्धि से 2009 में कच्चे अगरबत्ती पर भारतीय इत्र विक्रेताओं की आयात निर्भरता वृद्धि हो गई 2% कम होकर जो 2016-19 में 77-80% हो गई है। उन्होंने आगे कहा, "भारी मात्रा में आयात में निर्भरता के कारण, स्थानीय पीएमईजीपी इकाइयों के लिए कीमतों के दर में 2009 में 70 रुपये प्रति किलोग्राम से घटकर 48 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं।" उन्होंने यह भी कहा कि इसके अलावा वर्ष 2016 में कुल 3256 अगरबत्ती इकाइयों को केवीआईसी की पीएमईजीपी योजना के तहत स्थापित किया गया था। लेकिन 2017 में केवल 296 और 2018 में केवल 312 इकाइयां स्थापित की गईं, जिससे रोजगार के अवसरों में भारी कमी आई है।

यहाँ यह बता दें कि अगरबत्ती बनाने के लिए आवश्यक बांस की अंतर-नोडल लंबाई कम से कम एक फुट होनी चाहिए तथा खादी और ग्रामोद्योग आयोग की इस पहल से पूर्व भारत के जंगलों में उगने वाले बांस में यह सुविधा नहीं थी। नतीजतन, यह उद्योग प्रत्येक वर्ष 800 करोड़ रु. के 60,000 से 65,000 टन की मात्रा में बांस आयात करने के लिए मजबूर था।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने प्रत्येक वर्ष कम से कम 20000 'बाम्बूसा तुलदा' के पौधे लगाने की योजना बनाई है, ताकि बाँस के आयात पर निर्भरता 2022 तक कम की जा सके। अब तक खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने विशेष रूप से असम से लाई गई इस जाति के 650 पौधे लगाए हैं, जिसमें से 400 कन्नौज में लगाए गए थे, वाराणसी में 100, दिल्ली में 100 और दिल्ली के पास कुतुबगढ़ में 50 पौंधे लगाए गए थे। खादी और ग्रामोद्योग आयोग अपनी पीएमईजीपी योजना के तहत अगरबत्ती इकाइयों को ऐसे जगहों पर स्थापित करेगा, जहां कई परिवहन लागतों को बचाने के लिए कच्चा माल स्थानीय रूप से उपलब्ध होगा।

आयोग का 'हनी मिशन' कार्यक्रम

नई दिल्ली: ऐसे समय में जब विदेशों में घर-घर में पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए शहद-मधुमक्खियों को बचाने हेतु एक सक्रिय प्रदर्शन हो रहा है, एक संगठन - महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर काम कर रहा है । इस संगठन ने देशभर में किसानों और बेरोजगार युवाओं को दो वर्ष से भी कम समय में एक लाख से अधिक बी-बॉक्स वितरित किए है। ऐसा अभी तक दुनियां के किसी भी हिस्से में नहीं हुआ है।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 10 दिसंबर, 2016 को गुजरात के बनासकांठा जिले के दिसा में बनास शहद परियोजना की शुरुआत करते हुए 'स्वीट रिवोल्यूशन' के आह्वान के बाद, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने अगस्त 2017 में राष्ट्रपति भवन में 'हनी मिशन' नाम से एक कार्यक्रम शुरू किया।

इसके पश्चात, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने देश के असम के घने वन क्षेत्रों से लेकर नर्मदा घाटी के आदिवासी इलाके और पहाड़ी घाटी जम्मू-कश्मीर से लेकर वाराणसी के गंगा के मैदानी इलाकों तक पूरे देश के कोने-कोने में किसानों और बेरोजगार युवाओं की पहचान करना शुरू कर दिया। आयोग ने मधुमक्खी-उपनिवेशों के साथ मधुमक्खी के बक्से को वितरित करने में देश का कोई हिस्सा नहीं छोड़ा है। इस प्रक्रिया के दौरान, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने कई नए विश्व रिकॉर्ड बनाए और तोड़े हैं। सबसे पहले विश्व हनी मधुमक्खी दिवस 21 मई 2018 को, केवीआईसी ने काजीरंगा वन क्षेत्र में 100 मिसिंग असमी जनजाति के मध्य 1000 मधुमक्खी-बक्से वितरित करके एक ही दिन में अधिकतम मधुमक्खी-बक्से वितरित करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया, जबकि 2016 में

इज़राइल में 841 मधुमक्खी-बक्से वितरित किए हैं। फिर उसी वर्ष 12 जून को, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में ज़ंगली आर्मी क्षेत्र में एक ही दिन में अधिक से अधिक मधुमक्खी-बक्से अर्थात 2330 मधुमक्खी-बक्से वितरित करने का एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया तथा भारतीय सेना के सद्भावना कार्यक्रम के सहयोग से 233 लाभार्थी लाभान्वित हुये।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने बताया कि प्रधानमंत्री के 'स्वीट क्रांति' के आह्वान के पश्चात खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने तुरंत 'हनी मिशन' नाम पर एक कार्य योजना बनायी। “हमने अब तक देश भर में 1,01,000 मधुमक्खी-बक्से वितरित किए हैं, जो भारत में पहली बार हुआ था। उन्होंने कहा "मधुमक्खी बक्सों को हमने केवल हनी मिशन के तहत वितरित नहीं किया है, बल्कि हमने 10,000 से अधिक नए रोजगार भी सृजित किए हैं। इसके अलावा मधुमक्खी के बक्से और शहद उत्पादन के कार्य माध्यम से लगभग 25000 अतिरिक्त मानव दिवस सृजित किए गए हैं।" उन्होंने आगे बताया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने

मधुमक्खी पालन करने वालों को मधुमक्खी के कॉलोनियों की जांच करने, वानस्पतिक उपकरणों से परिचित करने, मधुमक्खी के दुश्मनों और बीमारियों की पहचान करने तथा इनका प्रबंधन करने, शहद निष्कर्षण और मोम शोधन, एवं वसंत, गर्मी, मानसून, शरद ऋतु आदि सभी मौसम में मधुमक्खी कॉलोनियों के प्रबंधन के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

श्री सक्सेना, जो स्वयं 'हनी मिशन' के प्रगति की निगरानी करते हैं, ने कहा कि शहद और मोम के उत्पादन के अलावा मधुमक्खी पालन, बेरोजगार युवाओं और इच्छुक युवा उद्यमियों के लिए कई रोज़गार और व्यवसाय के मार्ग खोलेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि "प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम" (प्रमंरोगासृका) की नोडल एजेंसी होने के नाते खादी और ग्रामोद्योग आयोग, शहद के लिए प्रसंस्करण, पैकेजिंग और लेबलिंग इकाइयां स्थापित करने के लिए ऋण प्रदान करेगा।"

यहां यह बता दें कि हनी मिशन के माध्यम से, अब तक केवल २४६ मैट्रिक टन शहद इन वितरित बी-बॉक्स के माध्यम से निकाला गया है, जिसका मूल्य ४ करोड़ रुपये से अधिक है। इसके अलावा, अगर किसानों की मानें तो 'हनी मिशन' के लागू होने के बाद उनकी फसलों की पैदावार ३० प्रतिशत तक बढ़ गई है। हालांकि, पैसों के मामले में फसलों की पैदावार में लाभ का आंकलन अभी तक नहीं किया गया है।

Gadkari urges textile stakeholders to promote Khadi

MUMBAI: Union Minister for Micro, Small & Medium Enterprises and Road Transport & Highways Nitin Gadkari, on Tuesday, said that the MSME and Khadi and Village Industries Commission (KVIC) together had been contributing 29 per cent to country's growth and 40 per cent to total exports of the country, consequently providing employment to over 11 crore people.

Gadkari was speaking during a talk on "Roadmap for Growth of Khadi Sector" held during the business summit 'Globalizing Brand Khadi – the Pride of India' in Mumbai on Tuesday, under the aegis of Confederation of Indian Industry (CII). Outlining the Government's mission to generate additional 5 crore new jobs and subsequent policies to achieve it, Gadkari, while appealing to the key stakeholders associated with the Khadi Sector, said, "The time has come to promote Khadi as a brand, with the introduction of technology and innovative methodology in its production for improving its quality. Khadi has the potential

to capture international markets with its unique product features and sustainability. It needs to be exploited and capitalized for growth of Indian artisans."

Giving stress on naturalness to the products he also shared that village industries such as pottery, bamboo, biofuel and tribal area are also picking up demand with focused initiatives from KVIC.

"Our government is committed to build robust policies and framework to facilitate the growth of Khadi and Village Industries Sector," he added.

Corroborating similar views, the Minister of State for MSME Pratap Chandra Sarangi spoke about ways in which Khadi production can be increased thus meeting the target of generating Rs. 10,000 crore turnover in the coming five years. "If 130 crore people start wearing Khadi, it will provide employment to 150 million persons," he asserted.

Secretary MSME, Dr Arun Kumar Panda, in his address, said that the summit is a good platform for all stakeholders associated with sector to give solutions that can impact life of artisans at grass-root level.

"The summit is a think tank to overcome the challenges and difficulties and to build the road ahead for development of the sector," he said, adding that khadi has huge potential for growth in International markets due to its USP of being a premium product which is very niche. International Collaborations will certainly take Khadi Brand to a new high.

KVIC Chairman Vinai Kumar Saxena said that the total turnover of Khadi has also increased from Rs 889 crore to Rs 3215 crore in the four years.

"Emerged now as a 'Fabric of Future', Khadi has now become a stylish narrative, now being popularly embraced by the noted designers, thanks to the attention given by Prime Minister Narendra Modi. Due to its unique eco-friendly nature and perfect and vivid fabric qualities, this versatile fashion fabric of India is now being used as a tool to navigate India towards Economic Transformation. Innovations in Khadi are now drawing huge national and international appeal," he said . MPOST

Govt eyes earthern kulhads to create jobs

DNA Correspondent
correspondent@dnaindia.net

Mumbai: If Union Minister for Micro, Small & Medium Enterprises (MSME) Nitin Gadkari plan is implemented, earthern pots will become mandatory in eateries, bus stops and railway stations.

"I have personally written to the railway minister and also to all the state transport ministers to make earthen pots mandatory, rather than paper cups which are used now," Gadkari told a seminar organised by Confederation of Indian Industry. Lalu Prasad had also tried such a move by introducing kulhads at railway stations.

BACK TO THE ROOTS

- MSME ministry aims to create 5 crore jobs in addition to 11 crore jobs
- **Looking to increase the contribution of small businesses in overall exports from 40% to 50%**

Gadkari said the earthen pots should be made mandatory at all the state transport bus stops and railway stations, so as to increase the demand for them.

He said that he drinks water from such pots every morning as it is a "natural" way of preserving water apart from better taste."People are already enjoying the kulhads at two railway stations, and we must extend it to others as well," Gadkari said.

The minister said the aim of the ministry is to create five crore jobs in addition to the present 11 crore jobs; to increase the contribution of small businesses in overall exports from 40% to 50%; and to increase their share in GDP to 50% from 29%.

"MSMEs and Khadi Village Industries Commission contributes to 40% of the total exports of the country. Together they provide employment to around 11 crore people," Gadkari said.

The minister also expressed keen interest in association with key stakeholders associated with the Khadi sector to promote it further as a brand, introduce tehnology and mechanisation in its production to improve quality.

CELEBRATING KHADI

Pics: Ashwin Sawant/DNA

Yogen Shah

Gaurav Khanjo with his collection

Anuj Bhutani with his collection

Sumeet Vyas and Pallavi Dhyani

The Khadi and Village Industries Commission (KVIC) collaborated with three designers to present a special collection championing hand-spun and hand-woven cotton and silk Khadi fabrics at the Lakme Fashion Week.

The event saw models displaying Khadi fabrics and celebrating the Indian art form, which was popularised by Mahatma Gandhi.

The star attraction at the fashion show was actor Sumeet Vyas, who walked the ramp for designer Pallavi Dhyani. He looked confident and oozed class.

KVIC Chairman, Vinai Kumar Saxena, who interacted with the media was quite happy with the turn of events at the fashion show. He said, "Khadi was given to us by Gandhiji and our Prime Minister (Narendra Modi) is taking it forward. Lakmé Fashion Week, designers, and the public have played an important role in it. Khadi is an indigenous fabric and most environment-friendly. The entire collection today will take the fabric to the next level. Earlier, it used to be associated with the politicians, and now youth (who wants to protect the environment) are also embracing it. In the near future, Khadi will become the most important fabric."

Designers Gaurav Khanjo and Pallavi also offered their inputs and talked about how the fabric is still relevant.

Sumeet Vyas, who was quite nervous ahead of his ramp walk said, "I was more nervous because I am not used to walking on the ramp but on the road. It felt great and loved my outfit. I have a special connection with Khadi because my grandfather, who was a freedom fighter, and my father (writer) used to wear Khadi. It is a beautiful fabric and I am happy to be part of the event."

> Khadi was given to us by Gandhiji and our Prime Minister (Narendra Modi) is taking it forward
> **Vinai Kumar Saxena,** KVIC Chairman

RISE IN IMPORT: FROM ₹31 CR (2009) TO ₹540 CR (2018); SURGE IN CHINESE SHARE: FROM ₹1.7 CR (2011) TO ₹212 CR (2018)

Govt in Huddle as Fragrance of Chinese Agarbattis Spreads Far and Wide

High-level meeting to chart revival path for indigenous industry

Anubhuti.Vishnoi@timesgroup.com

New Delhi: Although the country-wide surge in religious fervour has pushed the demand for incense sticks to new highs, cheap imports have sent India's very own agarbatti industry almost up in smoke.

ET has learnt that a high-level meeting this week in New Delhi will chart a revival path for the indigenous industry. A proposal to hike import duties on round bamboo sticks or raw agarbatti sticks tops the agenda.

Huge reduction in import duty on raw agarbattis under the Indo-Asean free trade agreement has led bamboo sticks form China and Vietnam to flood the market through the last few years. Assessments indicate that the domestic agarbatti industry is importing round bamboo sticks and raw agarbattis (without perfume) worth nearly ₹800 crore per year.

Import duty was brought down from 30% to 10% in 2011 and then to 5% in 2018. This led the import of raw agarbattis surging from ₹31 crore in 2009 to over ₹540 crore in 2018. Import from China alone has increased from ₹1.7 crore in 2011 to ₹212 crore in 2018.

The duty cut has skewed the trade balance in such a way that though the demand for agarbattis has shot up from 1,245 tonnes per day in 2009 to 1,297 tonnes a day in 2019, the domestic industry has run into the red. While Indian perfumers had about 2% dependency on raw agarbatti imports in 2009, it has surpassed 80% as on date, as per government data.

Micro, small and medium enterprises in the trade are grappling with the price of raw agarbattis spiraling from ₹70 per kg to ₹140 per kg. "Over 25% of our units have closed down. While Khadi and Village Industries Commission established over 1,200 projects in 2016-17, in 2018-19 only 387 could be setup. This has obviously resulted in decreased employment opportunities at grassroots level," KVIC chairman VK Saxena told ET, adding: "We have taken it up with the government."

> ₹800 cr — industry importing bamboo sticks, raw agarbattis worth ₹800 cr per year

The government is weighing a two-pronged approach to fight the crisis. Key to a course correction is revising the import duty. The other proposal on which work has begun is to increase India's bamboo production. KVIC plans a mega-plantation drive for high-quality bamboo (bambusa tulda) to achieve self-sufficiency in raw material by 2022. It has begun with planting of saplings in Kannauj, Varanasi and Delhi. It will next set up agarbatti making units near these plantations to create downstream linkages.

Need of the Hour

Key to a course correction is revising import duty

The other proposal on which work has begun is to increase India's bamboo production

KVIC plans a mega plantation drive for high-quality bamboo to achieve self-sufficiency in raw material by 2022

नवभारत

खादी को बनाओ ब्रांड

10,000 करोड़ के टर्न ओवर का टारगेट

गडकरी का सुझाव

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. मझले, स्माल व मीडियम उद्योग मामलों के मंत्री नितिन गडकरी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पहचान रही खादी बड़ा ब्रांड बनाने पर जोर दिया है. उन्होंने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय व खादी एंड विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, खादी के 29 प्रतिशत ग्रोथ के अलावा 40 प्रतिशत निर्यात में अपना योगदान दे रही है.

11 करोड़ लोगों को रोजगार

इसके माध्यम से करीब 11 करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है. नई तकनीक और उत्पादन के बदलते तरीके की वजह से खादी की क्वालिटी में काफी सुधार आया है. अब इंटरनेशनल मार्केट में खादी एक बड़े ब्रांड को हासिल करने की काबिलियत रखता है. जरूरत है इस दिशा में सही रणनीति और योजना के साथ काम करने की. गडकरी रोडमैप फॉर ग्रोथ ऑफ खादी सेक्टर विषय पर आयोजित समारोह में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि सरकार इस सेक्टर में और 5 करोड़ रोजगार पैदा करने की योजना पर काम कर रही है.

■ एमएसएमई मामलों के राज्यमंत्री प्रताप चन्द्र सारंगी ने कहा कि खादी के क्षेत्र में हम लोगों ने अगले 5 साल में 10 हजार करोड़ के टर्न ओवर की योजना बनाई है. उन्होंने कहा कि यदि देश की 130 करोड़ जनता खादी पहनना शुरू करती है तो 15 करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल सकता है . इस मौके पर एमएसएमई सचिव डॉ. अरुण कुमार पांडा, केवीआईसी के चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना व सीआईआई चेयरमैन प नंदकुमार मौजूद थे

Navabharat Mumbai Edition 29 Aug, 2019 Page No. 4

जिला स्तरीय बैंकर्स बैठक का आयोजन

जनमार्ग संवाददाता

हनुमानगढ़। लाल बहादुर शास्त्री शिक्षा समिति रावतसर द्वारा हनुमानगढ़ में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय बैंकर्स मीटिंग का आयोजन किया गया। समिति के सचिव भानसिंह राठौड़ ने बताया कि होटल सिंगला में आयोजित इस बैठक में खादी और ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार के मण्डलीय कार्यालय बीकानेर से मुख्य कार्यकारी अजय शर्मा, जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक सुश्री आकाशदीप सिंधु, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक बी.एल.मीना और जिले भर के बैंकों से पधारे बैंक प्रबंधक उपस्थित रहे। खादी और ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार के राज्य निदेशक बद्रीलाल मीणा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर बैंक प्रबंधकों से बैंक में लंबित आवेदनों के बारे में निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि युवा, किसान और महिला वर्ग को कुटीर एवं लघु उद्योगों से जोड़ने के लिए आवश्यक ऋण जल्द से जल्द उपलब्ध करवाया जाए ताकि आगे की कार्यवाही पूरी की जा सके। उपस्थित बैंक कर्मियों ने पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया।

प्रदर्शनी में खादी के उत्पादों पर बीस प्रतिशत छूट

कामयाब कलम रिपोर्टर

बीकानेर। खादी ग्रामोद्योग द्वारा खादी उत्पादों की प्रदर्शनी रतन बिहारी पार्क में चल रही है। प्रदर्शनी में खादी के स्पेशल रेडीमेन्ट कुत्ते, जाकेट, लेडिज स्टॉल, शॉल आदि आईटमों पर 20 प्रतिशत छूट पर दिये जा रहे है। बीकानेर के आयोजक संस्था के मंत्री झंवरलाल पन्नू ने बताया कि प्रदर्शनी में स्पेशल अम्बर चर्खा का कताई प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी का समापन 1 सितम्बर को होगा।

खादी उद्योगाला चालना देण्यासाठी बँकांचे सहकार्य नाही

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु आणि मध्यम एंटरप्रायझेस आणि रस्ते वाहतूकमंत्री नितीन गडकरी, 'केव्हीआयसी'चे अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना, एमएसएमई सेक्रेटरी डॉ. अरुण कुमार पांडा, राज्यमंत्री प्रतापचंद्र सारंगी, एन. नंदकुमार हे मुंबईत झालेल्या 'ग्लोबलायझिंग द ब्रँड खादी द फ्राईड ऑफ इंडिया समीट' मध्ये उपस्थित राहिले असताना घेतलेले छायाचित्र. (छाया : बी. एस. सोनी)

वृत्तसंस्था

मुंबई, मंगळवार - देशातील उत्पादनाचे खादी व्यावसाय मुल्यवान केली रु. १५ कोटी लोकांना रोजगार मिळू शकतो. खादी उद्योगाला आधुनिक तंत्रज्ञानाची मदत आणि बाजारपेठ मिळवून देण्यासाठी प्रयत्न करणे गरजेचे आहे. तथापि, खादी उद्योगाला बँका सहकार्य करत नाहीत. परंतु आगामी या उद्योगाला राष्ट्रीय चळवळ म्हणून मदत केली पाहिजे, असे बांधकाम केंद्रीय

एमएसएमई राज्यमंत्री प्रतापचंद्र सारंगी यांचे खडेबोल

एमएसएमई राज्यमंत्री प्रतापचंद्र सारंगी यांनी आज येथे बँकांना सुनावले.

या कार्यक्रमात एमएसएमई आणि रस्ते वाहतूकमंत्री नितीन गडकरी पत्रकारांशी बोलताना, कुठलीही तडजोड न करता खादीला चालना देण्यासाठी प्रयत्न केले जातील. खादी उद्योगाची आर्थिक वर्ष २०१९ मध्ये ७५ हजार कोटींची उलाढाल होती ती ही उलाढाल आगामी वाढवली पाहिजे.

बँकांकडून सहकार्य व होण्यासाठी अनेक कारणे आहेत आणि खादीला बाजारपेठेत अस्तित्व नाही. तथापि, खादी ही राष्ट्रीय एकू अस्तित्वाची ओळख सांगी यांनी खादीला लोकप्रियता मिळविण्यासाठी 'केव्हीआयसी'ने मुंबईत आयोजित केलेल्या 'ग्लोबलायझिंग द ब्रँड खादी द फ्राईड ऑफ इंडिया समीट' मध्ये आपली पत्रकारपणे मांडली.

केवीआईसी ने लैक्मे फैशन में बेहतरीन कलेक्शन पेश की

मुंबई। लैक्मे फैशन वीक- विंटर / फेस्टिव 2019 में भारतीय स्वतन्त्रता के वस्त्र-खादी की सुंदरता और गौरव को रैम्प पर उतार कर, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने सस्टेनेबल फैशन डे पर तीन युवा डिजाइनरों खनीजो, अनुज भूटानी और पल्लवी ध्यानी द्वारा बनाए गए खादी कलेक्शन को प्रदर्शित कर महात्मा गांधीजी की 150वीं जयंती मनायी। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के इस शो में 3 युवा डिजाइनरों के संग्रह का अनावरण किया गया, जिन्होंने खादी को अलग तरह से फैशनेबल बनाया और यह सुनिश्चित किया कि फैब्रिक ऑफ इंडिया, फैशनेबल रचनात्मकता के साथ नए युग में अवतरित हुआ है।खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा, खादी भविष्य का वस्त्र है। अपने अनूठे इको-फ्रेंडली स्वभाव और परिपूर्ण तथा शोख रंग युक्त वस्त्र गुणों के कारण खादी एक स्टाइलिश प्रचलन बन गई है जो अब डिजाइनरों द्वारा लोकप्रिय रूप से अपनायी जा रही है।

लंबी और कठिन लड़ाई के बाद मिली स्वतन्त्रता के लिए खादी का उपयोग भारतीयता की पहचान दर्शाने के लिए किया गया। पिछले 72 वर्षों से लेकर अब तक खादी वस्त्र सभी अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को पार कर रचनात्मक सोच को प्रेरित और अचंभित कर रही है। फैब्रिक ऑफ इंडिया के नाम से जानी जाने वाली खादी अपने आप में एक संस्कृति साबित हुई है, जो सही मायने में हमारे देश की उपलब्धियों को गौरव पूर्वक दर्शाती है। खादी में नवाचार अब व्यापक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित कर रहा है। युवा और प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर खादी में नये-नये प्रयोग कर रहे हैं और खादी के प्रति आकर्षण को एक नया मोड़ दे रहे हैं।

वस्त्र में नए रंगों का चयन एवं विस्तार, कटिंग, सिलाई के तरीकों में पश्चिमीकरण को शामिल करना, और अपने आप में नए रुझानों का निर्माण करना, खादी वस्त्र भविष्य में पहने जाने वाले परिधानों के रूप में ढल चुकी है।

सभी को मिले रोजगार : विनय सक्सेना

ललितपुर। कुम्हारों को विद्युत चालित चाक वितरित करते मुख्य अतिथि व मर्दनसिंह कॉलेज में गोष्ठी।

■ खादी ग्रामोद्योग आयोग ने 60 कुम्हारों को दिये विद्युत चालित चाक

ललितपुर। मंगलवार को स्थानीय जीजीआईसी कॉलेज में खादी ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना के मुख्य आतिथ्य में 60 कुम्हारों को प्रशिक्षण कर उन्हें विद्युत चालित चाक वितरित की गईं।

विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि भारत सरकार की मंशा है कि सभी को रोजगार मिले। इसी उद्देश्य से सरकार ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता शिविर एवं लोक शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। अन्य वक्ताओं में विशिष्ट अतिथि मुख्य कार्यकारी अधिकारी खादी ग्रामोद्योग एस.के. गुप्ता व खादी ग्रामोद्योग के निदेशक एस.के. सिंह ने सरकार द्वारा ग्रामोद्योग के माध्यम से चलाए जा रहे कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान 60 कुम्हारों को विद्युत चालित चाक वितरित की गईं। इस दौरान जगदीश बिलगैयाँ, सत्यनारायण दीक्षित, गोविन्दनारायण चतुर्वेदी, प्राचार्य जीजीआईसी मधुलता शर्मा, विनोद सांझा आदि मौजूद रहे।

मर्दन सिंह इण्टर कॉलेज पहुँच कर की यादें ताजा

खादी ग्रामोद्योग भारत सरकार के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना कार्यक्रम के बाद स्थानीय मर्दनसिंह इण्टर कॉलेज पहुँचे जहाँ उन्होंने वृक्षारोपण किया। एक गोष्ठी के दौरान उन्होंने कहा कि 45 वर्ष बाद इस कॉलेज में आकर उनकी यादें ताजा हो गईं, उन्होंने बताया कि यहाँ उन्होंने अपनी आरम्भिक शिक्षा ग्रहण की।

उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षकों का उन्होंने सम्मान किया। उन्होंने विद्यालय का भ्रमण कर अपने स्मरण ताजा किए। इस दौरान वीरेन्द्र कुमार चतुर्वेदी, प्राचार्य राकेश निरंजिया, अशोक सांझा एड, नीटू सांझा आदि मौजूद रहे।

New odour: India imports ₹800cr agarbattis from China

JOB LOSS

- Import of raw agarbattis surged from ₹31cr a year in '09 to ₹546cr in '18 after duty cut from 30% to 10% in 2011 and then to 5% in '18
- Imports led to a decline in agarbatti projects and loss of employment in the sector
- KVIC will help farmers grow a certain variety of bamboo (Bambusa tulda) to spur domestic growth

New Delhi: First, it were idols. Now, even agarbattis (incense sticks) that are used in worshipping deities are being imported from other countries, including China and Vietnam, data from Khadi and Village Industries Commission (KVIC) has revealed.

[illegible]

मधुमक्खी पालन जागरूकता शिविर लगाया

नेतेवाला(सीमा सन्देश सम्वाददाता)। प्रधानमंत्री हनी मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत गांव नेतेवाला में खादी और ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार के मण्डलीय कार्यालय ने पहुंचे हनी मिशन, नोडल अधिकारी अजय शर्मा की उपस्थिति में एस.बी.एस खादी संस्था द्वारा गांव के लोगों को मधुमक्खी पालन के लिए जागरूक करने के लिए शिविर लगाया। शिविर में पहुंचे लोगों को मधुमक्खी पालन से संबंधित जानकारी दी गई। उपस्थित ग्रामीणों ने भी इस विषय पर नोडल अधिकारी से सवाल-जवाब कर जानकारियां प्राप्त की। इस अवसर पर एस.बी.एस संस्था की तरफ से प्रदीप स्वामी व विनोद आसन मौजूद रहे। इस शिविर के दौरान सरपंच पति वकील मान्सल, कृष्ण मान्सल, सुभाष देवड़ें, सोहन ताखर,

राजेश ताखर, दलीप खान, राम सरूप स्वामी, साहबराम सुथार, विक्रम मारोला, अमित सहारण, गंगाराम बाजीगर, हरलाल सैन, राजकुमार ढुंढाड़ा आदि लोग मौजूद थे।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय सक्सेना व अपनी चाक के साथ बैठे कुंभकार बंधु। अमर उजाला

कुम्हार कला का प्रशिक्षण पाकर पाया चाक और प्रमाण पत्र

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने बढ़ाया हौसला

अमर उजाला ब्यूरो

कोंच। छोटी छोटी चीजों से कमजोर तबके के लोगों में बड़ा बदलाव आ सकता है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग इस दिशा में काम कर रहा है और इसकी योजनाओं का लाभ लाखों लोगों को मिल रहा है। यह बात खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय सक्सेना ने एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में कही।

पिछले दिनों कुम्हारी कला का प्रशिक्षण देने के लिए खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की ओर से एक कार्यशाला का आयोजन कोंच के औद्योगिक आस्थान में किया गया था। जिसमें कुम्हारी कला से जुड़े 40 लोगों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया था। इन सभी को प्रमाण पत्र व चाक प्रदान किए गए। सोमवार को जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि [illegible] सिरजन की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि सहजन का पेड़ [illegible] रोग के अलावा कैंसर जैसे घातक रोग में भी फायदेमंद होता है लिहाजा प्रत्येक व्यक्ति को यह पेड़ जरूर लगाना चाहिए। इससे पूर्व आयोग के आंचलिक मुख्य कार्यकारी अधिकारी एसके गुप्ता, राज्य निदेशक एसके सिंह आदि ने भी संबोधित किया। इस दौरान एसडीएम अशोक कुमार, [illegible] मौजूद रहे।

चाक मिलने से खुश हुए कुंभकार

कोंच। जिन कुंभकार बंधुओं को चाक और प्रमाण पत्र मिले हैं वे सभी काफी खुश थे। कस्बे के गांधी नगर की रहने वाली महिला शकुंतला का कहना है कि यह चाक उसके जीवन में बहुत मायने रखता है क्योंकि अभी तक वह पत्थर की चाक पर काम करती थी जिसमें मेहनत भी ज्यादा लगती थी और आमदनी भी काफी कम हो पाती थी। जिससे परिवार चला पाना मुश्किल था। अब बिजली से चलने वाली चाक में मेहनत तो बचेगी ही, निश्चित रूप से वह ज्यादा काम कर सकेगी और ज्यादा मुनाफा कमा सकेगी।

प्राइमरी स्कूलों के बच्चे पहनेंगे खादी यूनिफॉर्म

15 जुलाई तक प्रदेश के सभी बच्चों तक पहुंचेंगे दो सेट

21-08-2

2 दैनिक जागरण देहरादून

15 प्रशिक्षुओं ने सीखे स्वरोजगार के गुर

विकासनगर: सहसपुर के शंकरपुर स्थित ओरियंटल बैंक ऑफ कामर्स के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी में स्वरोजगार के लिए दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर में 15 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया जाएगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए आरसेटी के निदेशक अनिल कुमार गोयल ने बताया कि शिविर में प्रशिक्षुओं को प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें अपने रोजगार प्रारंभ करने के बारे में जागरूक किया जाएगा। इसके अलावा उन्हें उद्यमिता विकास, बाजार प्रबंधन, समस्या का समाधान, लेखांकन, बुक कीपिंग, बैंकिंग स्कीम, समय प्रबंधन, केशलेस ट्रांजक्शन, वित्तीय प्रबंधन, कार्यशील पूंजी का आंकलन, जीएसटी तथा व्यवसाय से संबंधित कानूनी दस्तावेजों की औपचारिकता आदि की विस्तार से जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा इस प्रकार के रोजगार करने से वे अपने व अपने परिवार की आजीविका का माध्यम तैयार कर सकते हैं। (संस)

नगर

स्वतंत्रता दिवस
और रक्षाबंधन
की शुभकामनाएं

वीमेंस कॉलेज में चरखा प्रशिक्षण का शुभारंभ

जमशेदपुर | संवाददाता

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के सहयोग से जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज में उपलब्ध कराए गए आठ नए मॉडल के चरखों पर छात्राओं के प्रशिक्षण बुधवार शुरू हुआ। कॉलेज परिसर में स्थित छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खाद्य आपूर्ति मंत्री मंत्री सरयू राय उपस्थित थे।

मौके पर मंत्री ने कहा कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था संपूर्ण कौशल विकासोन्मुख हो। इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के निदेशक जेके गुप्ता, बिंदेश्वर राम, प्राचार्य डॉ. पूर्णिमा कुमार, राजीव मल्होत्रा, डॉ. रत्ना मिश्र, डॉ. त्रिपुरा झा, डॉ. सनातन दीप, शर्मिला दास एवं छात्राएं मौजूद थीं।

रेडीमेट गारमेंट बनाने का कोर्स प्रारंभ होगा: जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज में रेडीमेट गारमेंट बनाने का कोर्स प्रारंभ होगा। इसके लिए आवश्यक मशीन व अन्य सामग्री खादी ग्रामोद्योग आयोग के सौजन्य से कॉलेज में पहुंच चुकी है। वीमेंस कॉलेज के एकेडमिक काउंसिल की बैठक के बाद इस पाठ्यक्रम को पारित कराया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य डॉ. पूर्णिमा कुमार यह सर्टिफिकेट कोर्स होगा।

बुधवार को वीमेंस कॉलेज में चरखा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होने के अवसर पर मंत्री सरयू राय व अन्य। • हिन्दुस्तान

बिजनेस स्टेंडर्ड दि 22/08/2019

खादी बनेगा वैश्विक ब्रांड!

सुशील मिश्र
मुंबई, 27 अगस्त

पिछले कुछ सालों में खादी की मांग तेजी से बढ़ी है। वैश्विक बाजारों में भी खादी के ब्रांड के तौर पर अपनी पैठ बढ़ाने में सफल रहा है। विशेष शैली के खादी परिधानों की मांग बढ़ने के कारण अब यह डिजाइनरों की भी पसंद है। देश की विकास दर में योगदान देने वाले खादी उद्योग के जरिये सरकार 5 करोड़ नए रोजगार पैदा करने की नीति तैयार करने में जुट गई है।

'मुंबई ग्लोबलाईजिंग ब्रांड खादी: द ब्रांड ऑफ इंडिया' नामक व्यापार शिखर सम्मेलन में खादी क्षेत्र के विकास के ढांचे भविष्य की नीतियों पर चर्चा हुई।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री न गडकरी ने कहा कि एमएसएमई खादी ग्रामोद्योग आयोग मिलकर देश विकास दर में 29 प्रतिशत तथा निर्यात में 40 प्रतिशत योगदान देते हैं। गडकरी ने कहा कि इस क्षेत्र ने लगभग 11 करोड़ लोगों को संयुक्त रूप से रोजगार भी दिया है। उन्होंने कहा कि आगे 5 करोड़ अतिरिक्त नई नौकरियों का सृजन करना उनका लक्ष्य है, जिसके लिए नीतियां बनाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि खादी को बढ़ावा देने के लिए इसकी उत्पादन गुणवत्ता में सुधार करना होगा।

गडकरी ने कहा, 'खादी में अपनी अनूठी उत्पाद विशेषताओं और स्थिरता के साथ अंतर्राष्ट्रीय बाजारों पर छा जाने की क्षमता है। भारतीय कारीगरों की वृद्धि के लिए इसका दोहन और पूंजीकरण की आवश्यकता है।'

उत्पादों के प्रति स्वाभाविकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग की ग्रामोद्योगों पर केंद्रित पहल से ग्रामोद्योग उत्पाद जैसे मिट्टी के बर्तनों, बांस, जैव ईंधन और जन जातीय क्षेत्र के उत्पादों की मांग में वृद्धि हुई है।

हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशन और मॉल में जल्द मिलेगी कुल्हड़ वाली चाय

- गडकरी ने रेल मंत्री को लिखा पत्र, कहा- स्थानीय कुम्हारों को मिलेगा बाजार
- कागज-प्लास्टिक के गिलासों का इस्तेमाल बंद होने से पर्यावरण को हो रहा नुकसान होगा कम

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश भर में सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, हवाई अड्डों और मॉल्स में जल्द ही आपको कुल्हड़ वाली चाय मिल सकती है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योग मंत्री नितिन गडकरी ने इस संबंध में रेल मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखा है। अभी वाराणसी और रायबरेली रेलवे स्टेशनों पर ही पकी मिट्टी से बने कुल्हड़ में चाय दी जाती है।

गडकरी ने कहा, 'मैंने पीयूष गोयल को एक पत्र लिखकर 100 रेल स्टेशनों पर कुल्हड़ को अनिवार्य करने के लिए कहा है। मैंने हवाई अड्डों और बस डिपो की चाय दुकानों पर भी इसे अनिवार्य करने का सुझाव दिया है। हम कुल्हड़ के इस्तेमाल के लिए मॉल को भी प्रोत्साहित करेंगे।'

गडकरी ने कहा कि इससे स्थानीय कुम्हारों को बाजार मिलेगा। इसके साथ ही कागज और प्लास्टिक से बने गिलासों का इस्तेमाल बंद होने से पर्यावरण को हो रहा नुकसान कम होगा।

गडकरी ने खादी ग्रामोद्योग आयोग को मांग बढ़ने की स्थिति में व्यापक स्तर पर कुल्हड़ के उत्पादन के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने को भी कहा है। आयोग के चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना ने इस बारे में कहा, 'हमने पिछले साल कुम्हारों को कुल्हड़ बनाने के लिए 10,000 इलेक्ट्रिक चाक दिए। इस साल हमने 25 हजार इलेक्ट्रिक चाक बांटने का लक्ष्य तय किया है।' सरकार कुहार सशक्तीकरण योजना के तहत इलेक्ट्रिक चाक वितरित कर रही है।

2019/8/26 07:29

मधुमक्खी पालन जागरूकता शिविर लगाया

नेतेवाला(सीमा सन्देश सम्वाददाता)। प्रधानमंत्री हनी मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत गांव नेतेवाला में खादी और ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार के मण्डलीय कार्यालय से पहुंचे हनी मिशन, नोडल अधिकारी अजय शर्मा की उपस्थिति में एल.बी.एस खादी संस्था द्वारा गांव के लोगों को मधुमक्खी पालन के लिए जागरूक करने के लिए शिविर लगाया। शिविर में पहुंचे लोगों को मधुमक्खी पालन से संबंधित जानकारी दी गई। उपस्थित ग्रामीणों ने भी इस विषय पर नोडल अधिकारी से सवाल-जवाब कर जानकारियां प्राप्त की। इस अवसर पर एल.बी.एस संस्था की तरफ से प्रदीप स्वामी व विनोद आसन मौजूद रहे। इस शिविर के दौरान सरपंच पति वकील मायल, कृष्ण मायल, सुभाष देवर्थ, सेरेश ताखर, राजेश ताखर, दलीप खान, राय साब स्वामी, साहबराम लुहार, विक्रम मारोता, अमित सहारण, गंगाराम बाजीगर, हरलाल सैन, राजकुमार ढुंढाड़ा आदि लोग मौजूद थे।

'एमएसएमई'ची निर्यात ५० टक्क्यांवर नेणार

नितीन गडकरी : क्षेत्राच्या विकासासाठी ठोस यंत्रणा आवश्यक

मुंबई, ता. २७ : सूक्ष्म, लघू आणि मध्यम उद्योग (एमएसएमई) क्षेत्राच्या विकासासाठी ठोस यंत्रणेची आवश्यकता आहे. देशाचे स्वावलंबित्व वाढवायचे असल्यास आयात कमी करून निर्यात वाढविण्याला प्राधान्य दिले पाहिजे, असे मत केंद्रीय सूक्ष्म, लघू आणि मध्यम उद्योगमंत्री नितीन गडकरी यांनी व्यक्त केले.

'एमएसएमई क्षेत्राच्या विकासासाठी कृती आराखडा' या विषयावर आयएमसी चेंबर ऑफ कॉमर्स अँड इंडस्ट्रीजने आयोजित केलेल्या कार्यक्रमात ते बोलत होते.

दारिद्र्य निर्मूलनासाठी नवीन तंत्रज्ञानाचा अवलंब करून रोजगार संभाव्यता उपलब्ध करणे, हे उद्दिष्ट असल्याचे गडकरी यांनी सांगितले. 'एमएसएमई' हा देशाचा कणा असून, आत्तापर्यंत अर्थव्यवस्थेच्या वृद्धीदरात 'एमएसएमई'चा २९ टक्के वाटा होता, तो ५० टक्क्यांवर नेण्याचे उद्दिष्ट आहे. एमएसएमईनिर्मित वस्तूंची निर्यात ४० टक्के होती ती वाढवून ५० टक्के करण्याचे उद्दिष्ट सरकारने ठेवले आहे, असे गडकरी यांनी सांगितले. इथेनॉल आणि मिथेनॉल यांच्या निर्मिती जैविक प्रक्रियेद्वारे पेट्रोलियम आणि डिझेलची उपयोगिता कमी करण्यावर भर देण्यात येणार असून, नागपूरमधील ६ जिल्हे डिझेलमुक्त करण्याचे काम सुरू केल्याचे त्यांनी सांगितले.

'खादी ब्रँड'साठी खासगी क्षेत्राने पुढाकार घ्यावा

उद्योग क्षेत्राकडून साहाय्य मिळाल्यास खादी ब्रँड जगप्रसिद्ध होऊ शकतो, असा विश्वास नितीन गडकरी यांनी व्यक्त केला. भारतीय उद्योग महासंघाने (सीआयआय) आयोजित केलेल्या 'ग्लोबलाइजिंग दी ब्रँड खादी : दी प्राइड ऑफ इंडिया' विषयावरील परिषदेत ते बोलत होते. खादीला चालना देण्यासाठी पुढाकार घेण्याचे आवाहन त्यांनी खासगी क्षेत्राला केले.

दैनिक भास्कर

रोहिड़ा | विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में दमखम दिख

दानवाव विद्यालय में मनाया आदिवासी दिवस

आबूरोड | एकलव्य रेसीडेंशियल स्कूल दानवाव में शुक्रवार को ब्लॉक स्तरीय विश्व आदिवासी दिवस समारोह मनाया गया। इस मौके जिला प्रमुख ने आमजन में शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर नाम रोशन करने के लिए कहा। प्रधान लालाराम गरासिया ने बालक-बालिकाओं को आगे बढ़कर अपने गांव व देश का नाम रोशन करने तथा आमजन को राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पूर्व विधायक गंगाबेन गरासिया, पूर्व प्रधान अणदाराम गरासिया, पंचायत समिति लीलाराम, लक्ष्माराम ने भी विचार व्यक्त किए। इस मौके भील राणा पूंजा, कालीबाई, गुरुगोविंद समेत आदिवासी महापुरुषों को याद कर श्रद्धांजलि दी गई व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस मौके आश्रम छात्रावास के खेलकूद में अव्वल रहने वाले जितेंद्रकुमार, सुनिल आहरी को सम्मानित किया गया। इस मौके पंचायत समिति सदस्य लीलाराम, लक्ष्माराम, विकास अधिकारी मंशाराम, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दलपतराज पुरोहित, बीएसएमएचओ डॉ. गौतम मीरासका, एईएन पीएचडी हेमंत गोयल, एईएन पीडब्ल्यूडी आरसी कराड़ा, एकलव्य स्कूल प्रधानाचार्य रमेशलाल मेघवाल, एडवोकेट प्रभुराम गरासिया, भावाराम गरासिया व सरपंच उमरणी भगाराम मौजूद थे।

आदिवासी दिवस पर बी-बॉक्स व चर्म टूल वितरित

आबूरोड | चंडेला गांव के अंबाबेरी मंदिर परिसर में विश्व आदिवासी दिवस पर हनी मिशन के तहत बी-बॉक्स व चर्म टूल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके खादी ग्रामोद्योग आयोग अध्यक्ष भारत सरकार के विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि वो देश के आदिवासी तबके को इस देश की प्रगति की नींव बनाएं। शिक्षा समेत रोजगार में आत्म निर्भर बनाए। उप मुख्य कारीकारी अधिकारी नई दिल्ली सत्यनारायण शुक्ला ने लघु उद्योग के तहत मधुमक्खी पालन के बारे में बताया। राज्य निदेशक आयोग जयपुर के बद्रीलाल मीना ने गांव के विकास में जे भारत सरकार की ओर से चर्म टूल किट के तहत जानकारी दी।

खादी उद्योगाला चालना देण्यासाठी बँकांचे सहकार्य नाही

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु आणि मध्यम एन्टरप्रायजेस आणि रस्ते वाहतूकमंत्री नितीन गडकरी, 'केव्हीआयसी'चे अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना, एमएसएमई सेक्रेटरी डॉ.अरुण कुमार पांडा, राज्यमंत्री प्रतापचंद्र सरंगी, एन. नंदकुमार हे मुंबईत झालेल्या 'ग्लोबलायझिंग द ब्रँड खादी द प्राईड ऑफ इंडिया समीट'मध्ये उपस्थित राहिले असताना घेतलेले छायाचित्र. (छाया : बी. एन. सोनी)

वृत्तसंस्था

एमएसएमई राज्यमंत्री प्रतापचंद्र सरंगी यांचे खडेबोल

मुंबई, मंगळवार – देशातील प्रत्येकाने खादी वापरण्यास सुरुवात केली तर १५ कोटी लोकांना रोजगार मिळू शकतो. खादी उद्योगाला आधुनिक तंत्रज्ञानाची मदत आणि बाजारपेठ मिळवून देण्यासाठी प्रयत्न करणे गरजेचे आहे. तथापि, खादी उद्योगाला बँका सहकार्य करत नाहीत. परंतु आपण या उद्योगाला राष्ट्रीय चळवळ म्हणून मदत केली पाहिजे, असे खडेबोल केंद्रीय एमएसएमई राज्यमंत्री प्रतापचंद्र सरंगी यांनी आज येथे बँकांना सुनावले.

या कार्यक्रमात एमएसएमई आणि रस्ते वाहतूकमंत्री नितीन गडकरी म्हणाले की, कुठलीही तडजोड न करता खादीला चालना देण्यासाठी प्रयत्न केले जातील. खादी उद्योगाची आर्थिक वर्ष २०१९ मध्ये ७१ हजार कोटींची उलाढाल होती तर ही उलाढाल आणखी वाढायला पाहिजे.

बँकांकडून सहकार्य न होण्यास अनेक कारणे आहेत आणि खादीला बाजारपेठ उपलब्ध नाही. तथापि, खादी ही राष्ट्रीय दूत असल्याचेही सांगत सरंगी यांनी खादीला लोकप्रियता मिळविण्यासाठी 'सीआयआय'ने मुंबईत आयोजित केलेल्या 'ग्लोबलायजिंग द ब्रँड खादी द प्राईड ऑफ इंडिया समीट'मध्ये आपली परखडपणे मांडली.

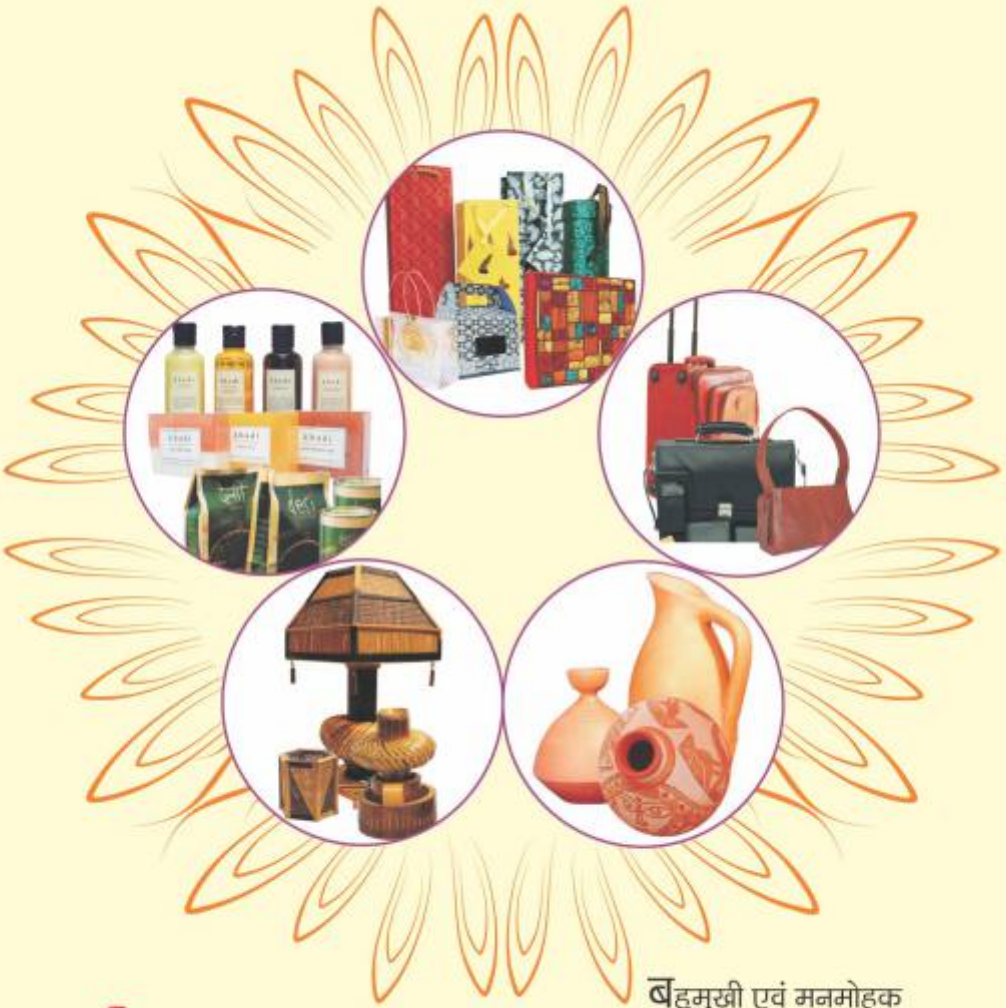

पर्यावरणानुकुल उत्पादों का एक स्थान

बहुमुखी एवं मनमोहक
खादी डिजाइनर परिधानों
जैसे पर्यावरणानुकूल उत्पादों का एक स्थान
खादी वस्त्र, हर्बल उत्पाद,
रसायन रहित अगरबत्तियां,
विषाणु रहित एवं एन्टी फंगल शहद,
नैसर्गिक एवं आयुर्वेदिक सौन्दर्य उत्पाद
जैसे साबुन एवं शैम्पू,
हाथ कागज एवं पारंपरिक हस्तशिल्प
तथा अन्य उत्पादों की विशाल श्रृंखला

खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056.
वेबसाईट : www.kvic.org.in

Khadi India

"भारत में हम रोजगार सृजन करते है तथा समृध्दि बुनतें हैं"